SECTION A

Q1.	निम्नलिखित	20 - 1 - 1 - 1 - 1 - 1 - 1 - 1 - 1 - 1 -	CTION A				
	कीजिए : Critically each :	कथनों में से प्रत्येक का लगभग 150 शब्दों में समालोचनात्मक examine the following statements in about 150					परीक्षण
		the follow	ing statements	in	about	150	words
_	(a) "उपनि	शेशवाद का व्याणारीय					10×5=50

- 'उपनिवेशवाद का व्यापारीकरण पर अपना ही एक विकृत तर्क था, क्योंकि विश्लेषण करने पर यह ज्ञात होता है कि व्यापारीकरण प्राय: एक कृत्रिम और जबरन प्रक्रिया रही है।"

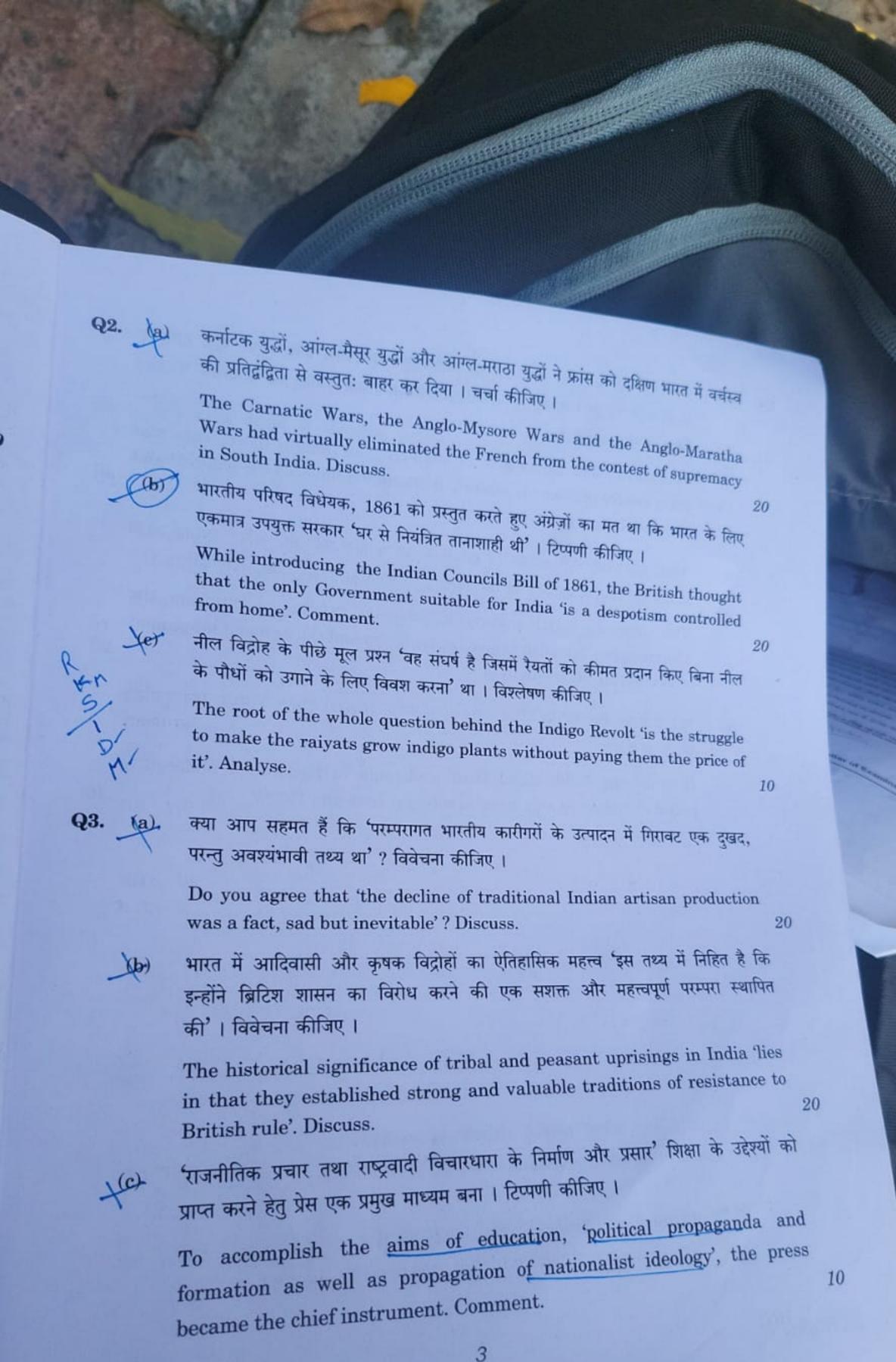
 "Colonialism had a twisted logic of its own for commercialization. It emerges on analysis to have been often an artificial and forced process."
- (b) 1857 के उपरांत, "कृषक आंदोलनों में किसान एक प्रमुख शक्ति के रूप में उभरते हैं।"
 After 1857, "the peasants emerged as the main force in agrarian movements."
- "भारतीय जनमानस की जागृत राजनीतिक चेतना तथा अंग्रेज़ों के असम्मानजनक और कायरतापूर्ण अपमान ने असहयोग आंदोलन को जन्म दिया।"

 "Awakened political consciousness of Indian masses, bound with dishonourable and cowardly insults of the British led to the movement of Non-Cooperation."
- (d) जब गाँधीजी ने सविनय अवज्ञा आंदोलन की शुरुआत की तब उन्हें "बेसब्री से एक प्रभावी सूत्र की तलाश थी।"
 - When Gandhiji launched the Civil Disobedience Movement he was "desperately in search of an effective formula."

10

"सत्ता हस्तांतरण के समय अंग्रेज़ों द्वारा अपनी ज़िम्मेदारी का त्याग करना यदि संवेदनहीन था, तो जिस गित से उसे सम्पादित किया गया उससे वह और भी बुरा बन गया।"
"If abdication of British responsibility at the time of transfer of power was callous, the speed with which it was done made it worse."

-HST





Q4. (a) सामाजिक-धार्मिक सुधार आंदोलनों का सर्वस्वीकृत दृष्टिकोण केवल एक 'शुद्ध दार्शनिक चिंतन नहीं था; इसने तत्कालीन राजनीतिक और सामाजिक नज़रिए को अत्यधिक प्रभावित किया'। परीक्षण कीजिए।

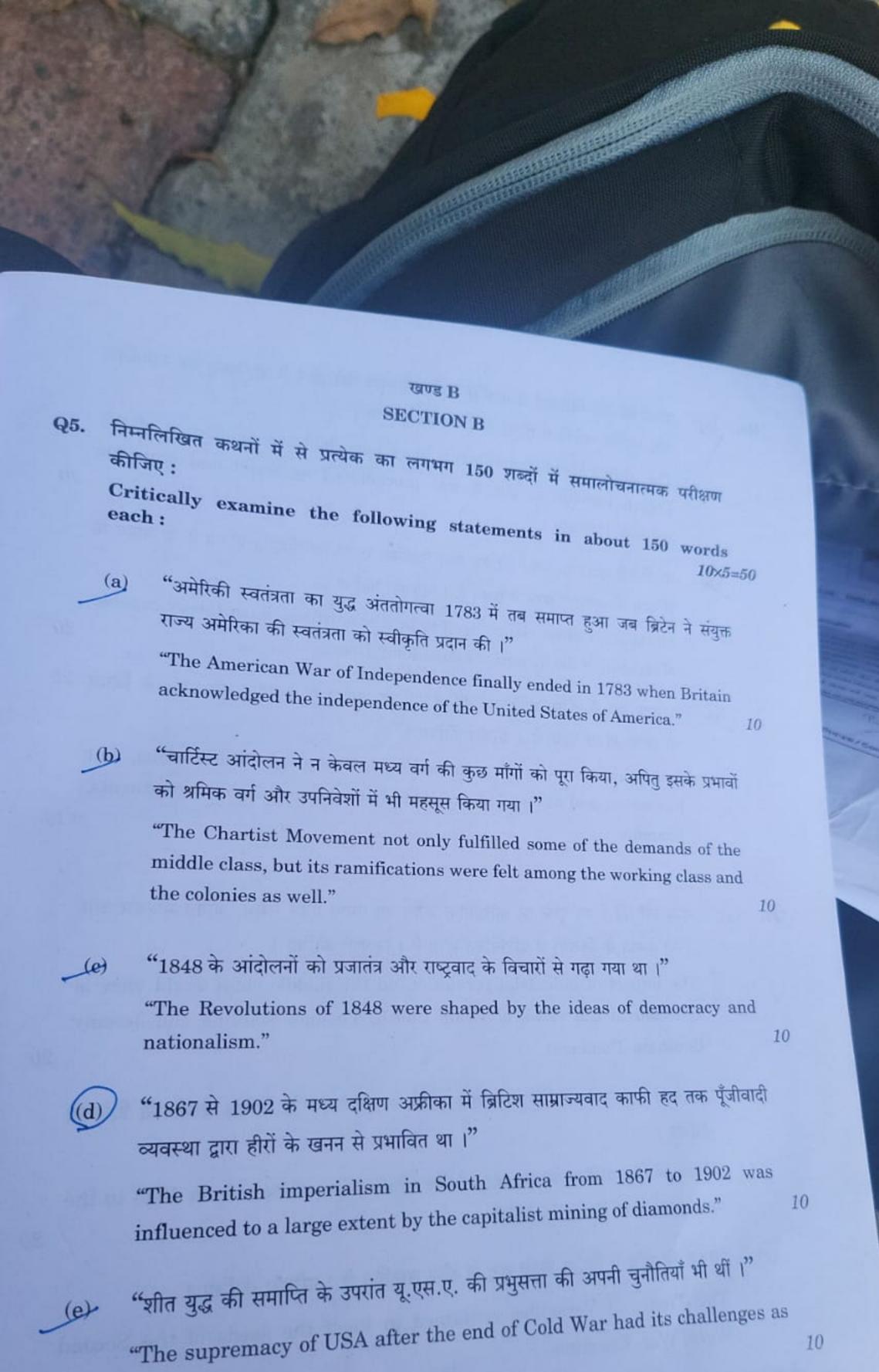
The universalist perspective of socio-religious reform movements w_{as} not a 'purely philosophic concern; it strongly influenced the political and social outlook of the time'. Examine.

20

- (b) काँग्रेस सोशलिस्ट पार्टी का मन्तव्य काँग्रेस से अलग होना नहीं था, अपितु 'इसका उद्देश्य काँग्रेस और राष्ट्रीय आंदोलन को समाजवादी दिशा प्रदान करना था'। विश्लेषण कीजिए।

 The Congress Socialist Party agenda was not to cut off from the Congress, but 'intended to give the Congress and the national movement a socialist direction'. Analyse.
- (c) गुटों में विभक्त हैदराबाद का दलित नेतृत्व किस प्रकार 1948 से 1953 के मध्य गहन पुनर्गठन के दौर से गुज़रा ?

How did the factionalised Dalit leadership in Hyderabad undergo a period of intense re-organization between 1948 and 1953?



well."

